NEW AL WUROOD INTERNATIONAL SCHOOL, JEDDAH, K.S.A

Affiliated to CBSE – New Delhi, Affiliation No. 5730008

TERM- 3 March, 2022-23

WORKSHEET: 2

GRADE: 7

SUBJECT: HINDI

खण्ड– क अपठित गद्यांश

संसार में सबसे मूल्यावान वस्तु समय है क्योंकि दुनिया की अधिकांश वस्तुओं को घटाया-बढ़ाया जा सकता है, पर समय का एक क्षण भी बढ़ा पाना व्यक्ति के बस में नहीं है। समय के बीत जाने पर व्यक्ति के पास पछतावे के अलावा कुछ नहीं होता। विद्यार्थी के लिए तो समय का और भी अधिक महत्त्व है। विद्यार्थी जीवन का उद्देश्य है शिक्षा प्राप्त करना। समय के उपयोग से ही शिक्षा प्राप्त की जा सकती है। जो विद्यार्थी अपना बहुमूल्य समय खेल-कूद, मौज-मस्ती तथा आलस्य में खो देते हैं वे जीवन भर पछताते रहते हैं, क्योंकि वे अच्छी शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं और जीवन में उन्नति नहीं कर पाते। मनुष्य का कर्तव्य है कि जो क्षण बीत गए हैं, उनकी चिंता करने के बजाय जो अब हमारे सामने हैं, उसकासदुपयोग करें।

(क) समय को सबसे अमूल्य वस्तु क्यों कहा गया है?

(ख) विद्यार्थी जीवन काक्या उद्देश्य है?.

ग) विद्यार्थी जीवन भर क्यों पछताते रहते हैं ?

(घ) संमय के संबंध में व्यक्ति का क्या कर्तव्य बताया गया है?

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक सुझाइए।

खण्ड – ख
(व्यावहारिक व्याकरण)

प्र-2.नीचे दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए -

क) सूर्य ख) बगीची ग) पत्ता

घ) बाल ङ) धूप च) मौसम

प्र-3.नीचे दिए गए शब्दों का वर्ण-विच्छेद लिखिए -

क) कोकिल -

ख) दही

ग) संगति

घ) मक्खन

ङ) संसार

<u>खण्ड – ग</u>

(पाठ्य भाग)

प्र- 4.नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर लिखिए :

क) कविता में "ओस" किसका प्रतीक है ?

शाश्वत खुशियों का		क्षणिक खुशियों का		कष्टों का

ख) कैसी दूब पर ओस की बूँदे थीं ?

सूखी		हरी-हरी		पीली

ग) बुराई करने से क्या नहीं मिलेगा ?

फल		सुख		दुख

घ) बिगड़ी बात किस प्रकार नहीं बनती है ?

दूध की तरह		फटे दूध की तरह		मक्खन की तरह

प्र-5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

क) सुसंगति और कुसंगति का अंतर कवि कैसे स्पष्ट करते हैं ?

ख) फटे दूध का उदाहरण देकर कवि क्या कहना चाहते हैं ?

ग) कवि ने उगते सूर्य का चित्रण कैसे किया है ?

घ) "ओस की बूँदों को ढँूढने" से क्या आशय है ?

ङ) क्षणिक खुशियों के बारे में कवि की क्या धारणा है ?

प्र-6 निम्नलिखित पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए :

क) सूर्य एक सत्य है

जिसे झुठलाया नहीं जा सकता

मगर ओस भी तो एक सच्चाई है ।

ख) जो जाको गुन जानही , सो तेहि आदर देत ।

कोकिल अंबहि लेत है , काग निबोहि हेत ॥

ग) सुख का साथी जगत सब , दुख का नाही कोय ।

दुख का साथी साइयाँ , दादू सतगुरु होय ॥

XXXXXXXXXXXXXXXXX THE END XXXXXXXXXXXXXXXXXXXX